पुनाा International School
Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

Name					
Date			9th	Roll No.	
Subject	HINDI	Marks -50	Hindi	Teacher's Sign	

First Periodic Assessment-2021-22

*निर्देश :-इस प्रश्न पत्र में चार भाग हैं | सभी प्रश्नों के उत्तर लिखना अनिवार्य है|

(खंड-1-पठन भाग)

प्र-१ –निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़ कर प्रश्नों. के उत्तर लिखिए- (अंक-6)

आत्मनिर्भरता का अर्थ है अपने ऊपर निर्भर रहना। जो व्यक्ति दूसरे के मुँह को नहीं ताकते वे ही आत्मनिर्भर होते हैं।वस्तुतः आत्मविश्वास के बल पर कार्य करते रहना आत्मनिर्भरता है। आत्मनिर्भरता का अर्थ हैसमाज, निज तथा राष्ट्र की आवश्यकताओं की पूर्ति करना। व्यक्ति, समाज तथा राष्ट्र में आत्मविश्वास की भावना, आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। स्वावलंबन जीवन की सफलता की पहली सीढ़ी है। सफलता प्राप्त करने के लिए व्यक्ति को स्वावलंबी अवश्य होना चाहिए। 'स्वावलंबन' व्यक्ति, समाज, राष्ट्र के जीवन में सर्वांगीण सफलता प्राप्ति का महामंत्र है। स्वावलंबन जीवन का अमूल्य आभूषण है, वीरों तथा कर्मयोगियों का इष्टदेव है। सर्वांगीण उन्नति का आधार है।जब व्यक्ति स्वावलंबी होगा, उसमें आत्मनिर्भरता होगी, तो ऐसा कोई कार्य नहीं जिसे वह न कर सके। स्वावलंबी मनुष्य के सामने कोई भी कार्य आ जाए, तो वह अपने दृढ़ विश्वास से, अपने आत्मबल से उसे अवश्य ही पूर्ण कर लेगा। स्वावलंबी मनुष्य जीवन में कभी भी असफलता का मुँह नहीं देखता। वह जीवन के हर क्षेत्र में निरंतर कामयाब होता जाता है। सफलता तो स्वावलंबी मनुष्य की दासी बनकर रहती है। जिस व्यक्ति का स्वयं अपने आप पर ही विश्वास नहीं, वह भला क्या कर पाएगाऽ परंतु इसके विपरीत जिस व्यक्ति में आत्मनिर्भरता होगी, वह कभी किसी के सामने नहीं झुकेगा। वह जो करेगा सोचसमझकर धैर्य से करेगा। मनुष्य में सबसे बड़ी कमी स्वावलंबन का न होना है। सबसे बड़ा गुण भी मनुष्य की आत्मनिर्भरता ही है।

*बहुवैकल्पिक प्रश्न -

प्र-१-किन व्यक्तियों को आत्मनिर्भर कहा जा सकता है -१-?

अ-स्वावलंबी ब-धनी क-उच्च –पदाधिकारी

प्र-२- स्वावलंबी व्यक्ति अपने काम में किस तरह सफलता प्राप्त करते हैं?

अ-मेहनती होने से ब-धन का दिखावा करने से क-आत्मबल व दृढ़ विश्वास से से

*प्रश्नों के उत्तर लिखिए -

प्र-३- व्यक्ति के जीवन में स्वावलंबन का क्या महत्त्व है?

प्र-४- सफलता को स्वावलंबी की दासी क्यों कहा गया है?

प्र-५- सही अर्थों में आत्मनिर्भरता का क्या अर्थ है?

प्र-६- गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

प्र-२ –निम्नलिखित अपठित पद्यांश को पढ़ कर प्रश्नों. के उत्तर लिखिए- **(अंक-6)**

पृथ्वी की छाती फाड़, कौन यह अन्न उगा लाता बाहर?
दिन का रवि-निशि की शीत कौन लेता अपनी सिर -आँखों पर?
कंकड़ पत्थर से लड़लड़कर-, खुरपी से और कुदाली से,
ऊसर बंजर को उर्वर कर, चलता है चाल निराली ले।

मज़दूर भुजाएँ वे तेरी, मज़दूर, शक्ति तेरी महान;
घूमा करता तू महादेव !सिर पर लेकर के आसमान !
पाताल फोड़कर, महाभीष्म भूतल पर लाता जलधारा !;
प्यासी भूखी दुनिया को तू देता जीवन संबल सारा !

खेती से लाता है कपास, धुनधुन-, बुनकर अंबार परम;
इस नग्न विश्व को पहनाता तू नित्य नवीन वस्त्र अनुपम।
नंगी घूमा करती दुनिया, मिलता न अन्न, भूखों मरती,
मज़दूर !भुजाएँ जो तेरी मिट्टी से नहीं युद्ध करतीं!

तू छिपा राज्य-उत्थानों में, तू छिपा कीर्ति के गानों में;
मज़दूर !भुजाएँ तेरी ही दुर्गों के शृंग-उठानों में।
तू छिपा नवल निर्माणों में, गीतों में और पुराणों में;
युग का यह चक्र चला करता तेरी पद-गति की तानों में।

तू ब्रह्माविष्णु रहा सदैव-,
तू है महेश प्रलयंकर फिर।
हो तेरा तांडव, शंभुआज !
हो ध्वंस, सृजन मंगलकर फिर!

प्र-१- अन्न उगाने वाले को क्या-क्या सहना पड़ता है ?

प्र-२- किसान के हथियार क्या-क्या हैं? इनकी मदद से किनसे लड़ता है?

प्र-३- मज़दूर को महाभीष्म क्यों कहा गया है?

प्र-४- यदि मज़दूर परिश्रम न करता तो दुनिया की क्या स्थिति होती और क्यों?

प्र-५- मजदूर को किस-किस संज्ञा से विभूषित किया गया है? वह कहाँ छिपा है?

प्र-६- पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए-

(खंड-ब-लेखन भाग)

प्र-३ -अ-निम्नलिखित बिन्दुओं संकेत के आधार पर किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए- (अंक-6)

प्र-१- क्रिकेट का नया प्रारूप-ट्वेंटी-ट्वेंटी

-प्रस्तावना

-टेस्ट क्रिकेट का स्वरूप

-टी –ट्वंटी का स्वरूप

-आज के समय में इसका प्रभाव

-उपसंहार

प्र-२-) अनुशासन की समस्या

- प्रस्तावना
- छात्र और अनुशासन
- अनुशासनहीनता के कारण
- अनुशासन की आवश्यकता
- प्रकृति में अनुशासन
- समाधान हेतु सुझाव

ब-पत्र-लेखन-कोई एक (अंक-6)

१- आपको एक पुस्तक कम मिली है| अपनी अध्यापिकाजी को पुस्तक देने के लिए एक प्रार्थना पत्र लिखिए-

या

२- आपको विद्यालय की ओर से प्रवास ले जा रहे हैं| अपने पिताजी से अनुमति मांगते हुए एक पत्र लिखिए -

(खंड-क-व्याकरण भाग)

प्र-४- निर्देशानुसार उत्तर लिखिए-

१-नीचे दिए शब्दों के वर्ण-विच्छेदन करिए- (अंक-4)

१- महात्मा २- कविता ३- कलम ४- कृपा

२-सही वर्ण-विच्छेदन चुनिए- (अंक-4)

१- परिचय- प् + अ + र् + इ + च् + अ + य् + अ

प् + अ + इ + र् + च् + अ + य् + अ

प् + र् + इ + अ + च् + अ + य् + अ

२- रुपया = र् + उ + प् + अ + य् + आ

र् + ऊ + प् + अ + य् + आ

रु + प् + अ + य् + आ

३-नीचे दिए गए शब्दों पर अनुस्वार लगाइए- (अंक-2)

१-मत्र २-सपत्ति ३-सुन्दर ४-अहकार

४-नीचे दिए गए शब्दों में अनुनासिका लगाइए- (अंक-2)

१-काच २-आख ३-कहानिया ४-साप

(खंड-क-साहित्य भाग)

प्र-५-निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-(कोई दो) (अंक-4)

प्र-१- लेखक ने धूल और मिट्टी में क्या अंतर बताया है?

प्र-२- हीरे के प्रेमी उसे किस रूप में पसंद करते हैं?

प्र-३-रैदास ने किसके नाम की रट लगा रखी थी? वह उस आदत को क्यों नही छोड़ पा रहे थे?

प्र-६-निम्न पक्तियों का आशय स्पष्ट करिए- (अंक-3)

(क) जाकी अँग-अँग बास समानी

(ख) जैसे चितवत चंद चकोरा

(ग) जाकी जोति बरै दिन राती

प्र-७- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-(कोई दो) (अंक-4)

प्र-१- सोनजुही में लगी पीली कली को देख लेखिका के मन में कौन से विचार उमड़ने लगे?

प्र-२- लेखिको का ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लू क्या करता था?

प्र-३- लेखिका ने कैसे जाना कि गिल्लू उसकी अनुपस्थिति में दुखी था?

प्र-८- निम्न पक्तियों का आशय स्पष्ट करिए- (अंक-3)

१-.'प्रभात की प्रथम किरण के स्पर्श के साथ ही वह किसी और जीवन में जागने के लिए सो गया'|